सुरक्षा बढ़ाना

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (गवर्नेंस) से संबंधित है।

द हिन्दू

11 जनवरी, 2022

टीकाकरण के साथ कोविड उपयुक्त व्यवहार भी होना चाहिए।

भारत द्वारा कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करने के लगभग एक साल बाद, इसने 10 जनवरी को एक 'एहतियाती खुराक' देना शुरू किया- जिसे वैज्ञानिक रूप से तीसरी या बूस्टर खुराक कहा जाता है- 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कॉमरेडिडिटी, स्वास्थ्य देखभाल और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के साथ।

पहले दिन, लगभग दस लाख लोगों ने बूस्टर शॉट प्राप्त किया। हालांकि 9 जनवरी तक 60 से ऊपर के 98 मिलियन लोगों, 9.7 मिलियन स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों और लगभग 17 मिलियन फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को दूसरी खुराक मिली है, लेकिन बूस्टर खुराक प्राप्त करने के लिए पात्र तीन समूहों में लोगों की वास्तविक संख्या कम होगी। कारण केवल वे लोग जिन्होंने नौ महीने या 39 सप्ताह पहले दूसरी खुराक ली है, बूस्टर शॉट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

साथ ही, बुजुर्गों में, केवल सहरुग्णता वाले लोग ही अतिरिक्त शॉट प्राप्त करने के पात्र होंगे। दूसरी और बूस्टर खुराक के बीच नौ महीने का अंतर किसी नैदानिक परीक्षण पर नहीं बल्कि उस अवधि तक चलने वाले प्राकृतिक संक्रमण से सुरक्षा के प्रमाण पर आधारित है। दूसरी खुराक के छह महीने बाद पूरी तरह से टीकाकरण वाले व्यक्तियों के समरूप वृद्धि पर एकमात्र डेटा 184 प्रतिभागियों में कोवैक्सिन का उपयोग करके किए गए एक अध्ययन से आता है; कोवैक्सीन में अब तक प्रशासित लगभग 1.52 बिलियन खुराकों में से 12.7% शामिल हैं।

लेकिन पूरी तरह से टीकाकरण के एक बड़े प्रतिशत को संक्रमण हो सकता है, सुरक्षा के स्तर में वृद्धि और संभवतः सुरक्षा की अवधि जो हाइब्रिड प्रतिरक्षा प्रदान करती है। ऐसे लोगों में बूस्टर शॉट गंभीर बीमारी और मृत्यु से अधिक सुरक्षा प्रदान करेगा।

वर्तमान में टीकाकरण के लिए उपयोग किए जा रहे कोविड-19 टीकों में से कोई भी स्टरलाइजिंग इम्युनिटी प्रदान नहीं करता है, जो संक्रमण को पूरी तरह से रोकता है। बूस्टर खुराक देने से निश्चित रूप से एंटीबॉडी को निष्क्रिय करने के स्तर में वृद्धि होगी लेकिन यह भी संक्रमण से पूर्ण सुरक्षा की गारंटी नहीं देता है।

बूस्टर सहित कोविड-19 टीकों का मुख्य उद्देश्य संक्रमण को रोकना नहीं है, बल्कि केवल रोग की गंभीरता को कम करना है। यदि यह पहली बार चीन के वुहान में पहचाने गए वायरस स्ट्रेन और इस स्ट्रेन का उपयोग करके विकसित किए गए सभी टीकों के साथ भी सच था, तो बाद में सामने आए वेरिएंट ने वर्तमान में उपलब्ध कोविड-19 टीकों की सीमा को उजागर किया है।

यहाँ तक कि अगर वेरिएंट ने बूस्टर शॉट प्राप्त करने वालों में संक्रमण पैदा करने की क्षमता में वृद्धि का प्रदर्शन किया है, तो सभी टीके बीमारी को गंभीर होने और मौत का कारण बनने से रोकने में भी अत्यधिक प्रभावी रहे हैं।

जब तक संक्रमण के खिलाफ बहुत उच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करने वाला एक सुरक्षित और अत्यधिक प्रभावकारी इंट्रानैसल वैक्सीन उपलब्ध नहीं हो जाता, तब तक जो बूस्टर शॉट प्राप्त करते हैं, वे भी अपने को निराश नहीं कर सकते। चूंकि उभरे हुए वेरिएंट का उपयोग करके बूस्टर खुराक में से कोई भी विकसित नहीं किया गया है, इसकी उच्च प्रतिरक्षा से बचने की क्षमता के साथ अत्यधिक संक्रामक ओमाइक्रोन संस्करण सफलता के संक्रमण का कारण बन सकता है।

इसलिए, टीकों को चांदी की गोली के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, लेकिन संक्रमण के जोखिम को काफी कम करने के लिए मास्क और अन्य कोविड उपयुक्त व्यवहार के संयोजन में उपयोग किया जाना चाहिए।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. अगर कोई व्यक्ति वैक्सीन का बूस्टर डोज़ लगवाता है तो निम्नलिखित में से उसे क्या लाभ हो सकता है?

(क) उसे कोविड संक्रमण नही होगा।

(ख) उसके गम्भीर बीमार होने या मृत्यु की संभावना कम हो जाएगी।

(ग) उसे किसी भी म्यूटेंट वैरिएंट के संक्रमण से सुरक्षा मिल जाएगी।

(घ) उपर्युक्त सभी

Expected Question (Prelims Exams)

Q. If a person gets a booster dose of the vaccine, which of the following can benefit him?

(a) He will not have covid infection.

(b) The chances of his becoming seriously ill or dying will be reduced.

(c) He will get protection from infection with any of the mutant variants.

(d) All of the above.

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. 'भारत में लोगों की कोविड-19 से बचाव को लेकर जो अभिवृत्ति रही है उसके कारण भारत मे कोविड-19 केस बढ़ते रहे हैं।' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? चर्चा करें। (250 शब्द)

Q. 'Covid-19 cases have been increasing in India due to the attitude of people in India towards Covid-19.' To what extent do you agree with this statement? Discuss. (250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।